पाठ – 2

एक टोकरी भर मिट्टी

2DJKFZ

श्री माधव राव सप्रे

इंसान का अहंकार उसे अन्याय और विद्वेष करने को प्रेरित करता है। इस हेतु वह छल झूठ और षड़यंत्र करने से भी नहीं चूकता परंतु सत्य और ईमानदारी की एक चोट उसे हकीकत की धरातल पर ला पटकती है। परिणाम स्वरूप उसका जमीर जाग जाता है। उसे सत्य की पहचान होती है। प्रस्तुत कहानी में एक जमींदार द्वारा असहाय विधवा की झोपड़ी को हथिया लेने के बाद की स्थिति का प्रभाव पूर्ण चित्रांकन हुआ है। यह कहानी मानवीय संवेदना से जुड़ी हुई है। विधवा के कथन से उसका हृदय परिवर्तन होना और विधवा की झोपड़ी को जमींदार द्वारा लौटा देना यही इस कहानी का सारतत्व है।

किसी श्रीमान् जमींदार के महल के पास एक गरीब, अनाथ विधवा की झोंपड़ी थी। जमींदार साहब ने विधवा से बहुतेरा कहा कि अपनी झोंपड़ी हटा ले, पर वह तो कई जमाने से वहीं बसी थी। उसका पति और इकलौता पुत्र भी उसी झोंपड़ी में मर गए थे। पतोहू भी एक पाँच बरस की कन्या छोड़कर चल बसी थी। अब यही उसकी पोती इस वृद्ध काल में उसका एक मात्र आधार थी। जब कभी उसे अपनी पूर्व स्थिति की याद आती तो मारे दुःख के फूट-फूटकर रोने लगती थी और जब से उसने अपने श्रीमान् पड़ोसी की इच्छा का हाल सुना तब से वह मृतप्राय हो गई थी। उस झोंपड़ी में उसका मन लग गया था। बिना मरे वह वहाँ से निकलना नहीं चाहती थी। श्रीमान् के सब प्रयत्न निष्फल हो गए तब

वे अपनी जमींदारों वाली चाल चलने लगे । बाल की खाल निकलवाने वाले वकीलों की थैली गरम कर उन्होंने अदालत में झोंपड़ी पर अपना कब्जा कर लिया । विधवा को वहाँ से निकाल दिया । बेचारी अनाथ तो थी ही, पास-पड़ोस में कहीं जाकर रहने लगी ।

एक दिन श्रीमान् उस झोंपड़ी के आसपास टहल रहे थे और लोगों को काम बता रहे थे कि इतने में वह विधवा हाथ में टोकरी लेकर वहाँ पहुँची । श्रीमान् ने उसको देखते ही अपने नौकरों से कहा-''तुम उसे यहाँ से हटा दो ।'' पर वह गिड़गिड़ाकर बोली-''महाराज, अब तो यह झोंपड़ी तुम्हारी हो गई है, मैं उसे लेने नहीं आई हूँ । महाराज, क्षमा करें तो एक विनती है ।'' जमींदार साहब के सिर हिलाने पर उसने कहा, ''जब से यह झोंपड़ी छूटी है तब से मेरी पोती ने खाना-पीना छोड़ दिया है । मैंने बहुत कुछ समझाया पर वह एक नहीं मानती । यही कहा करती है कि अपने घर चल, तब रोटी खाऊँगी । अब मैंने यह सोचा है कि इस झोंपड़ी से एक टोकरी मिट्टी लेकर उसी का चूल्हा बनाकर रोटी पकाऊँगी । इससे भरोसा है कि वह रोटी खाने लगेगी । महराज, कृपा करके आज्ञा दीजिए तो इस टोकरी में मिट्टी ले जाऊँ ।'' श्रीमान् ने आज्ञा दे दी ।

विधवा झोंपड़ी के भीतर गई । वहाँ जाते ही उसे अपनी पुरानी बातों का स्मरण हुआ और उसकी आँखों से आँसू की धारा बहने लगी । अपने आंतरिक दुखों को किसी तरह सम्हाल कर उसने अपनी टोकरी मिट्टी से भर ली और हाथ में उठाकर बाहर ले आई । फिर श्रीमान् से हाथ जोड़कर विनती करने लगी, ''महाराज, कृपा करके इस टोकरी को हाथ लगा दीजिए जिससे कि मैं इसे अपने सिर पर धर लूँ ।'' जमींदार साहब पहले तो गुस्सा हुए, फिर जब वह बार-बार हाथ जोड़ने लगी और पैरों में गिरने लगी तो उनके मन में भी कुछ दया आ गई । किसी नौकर से न कहकर आप ही स्वयं टोकरी उठाने आगे बढ़े । ज्योंही टोकरी को हाथ लगाकर ऊपर उठाने लगे, त्योंही देखा कि यह काम उनकी शक्ति के बाहर है । फिर तो उन्होंने अपनी सब ताकत लगाकर टोकरी को उठाना चाहा, पर जिस स्थान पर टोकरी रखी थी, उस स्थान से वह एक हाथ भी ऊँची न उठी । वह लज्जित होकर कहने लगे यह टोकरी हमसे नहीं उठाई जाएगी ।

यह सुनकर विधवा ने कहा, ''महाराज, नाराज न हों, तो ..... आपसे एक टोकरी भर मिट्टी नहीं उठाई जाती और इस झोंपड़ी में तो हजारों टोकरियाँ मिट्टी पड़ी है । उसका भार आप जनम भर कैसे उठा पाओगे? आप इस बात पर विचार कीजिए।''

जमींदार साहब धन मद से गर्वित हो अपना कर्त्तव्य भूल गए थे । पर विधवा के कहे हुए वचन सुनते ही उनकी आँखें खुल गई । कृतकर्म का पश्चाताप कर उन्होंने विधवा से क्षमा माँगी और झोंपड़ी वापस दे दी ।

शब्दार्थ :– **जमींदार** – भू–स्वामी, **अनाथ**–लावारिस, असहाय, **पतोहू**–बहू, **मृतप्राय**–जो मरे हुए के समान हो, **प्रयत्न**–कोशिश, **निष्फल**–व्यर्थ, **अदालत** –न्यायालय, **स्मरण**–याद करना, **पश्चाताप**–पछतावा

अभ्यास

पाठ से

1. जमींदार, विधवा से झोपड़ी हटाने के लिए क्यों कह रहा था?
2. जमींदार ने झोपड़ी पर कब्जा करने के लिए कौन–सी चाल चली?
3. विधवा की झोपड़ी से कौन सी यादें जुड़ी हुई थीं? जिसके कारण वह झोपड़ी छोड़ना नहीं चाहती थी।
4. विधवा की पोती ने खाना–पीना क्यों छोड़ दिया था ?

5. बुढ़िया झोपड़ी में से एक टोकरी मिट्टी क्यों ले जाना चाहती थी?
6. विधवा द्वारा टोकरी उठाने को कहने पर 'जमींदार नौकर से न कहकर खुद टोकरी क्यों उठाने लगे?
7. जमींदार को विधवा के सामने क्यों लज्जित होना पड़ा?
8. ''आपसे एक टोकरी भर मिट्टी नहीं उठाई जाती और इस झोपड़ी में तो हजारों टोकरियाँ मिट्टी पड़ी है।'' विधवा के इस कथन के पीछे क्या भाव रहा होगा?
9. कहानी का शीर्षक 'एक टोकरी भर मिट्टी' की सार्थकता पर अपने विचार दीजिए।

पाठ के आगे

1. जमींदार के द्वारा विधवा के साथ किया जाने वाला व्यवहार उचित है अथवा अनुचित ? अपने विचार लिखिए।
2. वकीलों का कार्य न्याय दिलाना होता है, परन्तु इस पाठ में जमींदार वकीलों की मदद से गरीब विधवा की झोपड़ी पर कब्जा कर लेता है। वकीलों द्वारा जमींदार को साथ देना उचित था या अनुचित ? लिखिए।

3. जमींदार ने विधवा की जमीन को गलत तरीके से हथिया लिया था जिसे उसने बाद में वापस भी कर दिया। जमीन वापस करने के पीछे क्या कारण रहे होंगे? लिखिए।
4. अभावों में जिंदगी गुजारने वाले कई लोग हमारे आस–पास रहते हैं। उन्हें देखकर आपके मन में किस तरह के भाव उत्पन्न होते हैं? लिखिए।

भाषा से

1. पाठ में आए इस वाक्य को देखिए ''विधवा को वहाँ से निकाल दिया''।

यहाँ पर विधवा, उस गरीब स्त्री के लिए प्रयुक्त शब्द है, जिसे जमींदार ने उसकी अपनी जमीन से बेदखल कर दिया था। सामान्य रूप से 'विधवा' जातिवाचक संज्ञा शब्द है, जो ऐसी स्त्रियों के लिए प्रयुक्त होता है जिनका पति मर चुका हो। कभी–कभी भाषा में जातिवाचक संज्ञा का व्यक्ति वाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग होता है जैसा कि ऊपर के वाक्य में विधवा शब्द को लेकर किया गया है। जातिवाचक संज्ञा का व्यक्तिवाचक के रूप में प्रयोग के कुछ अन्य उदाहरण निम्न हैं –

1. मैं **पुरी** जाने वाला हूँ?
2. **पुरोहित** ने कथा सुनाई।
3. इस **आदमी** ने चोरी की है।

अब आप साथियों की सहायता से दस ऐसे वाक्य लिखिए जिसमें जातिवाचक संज्ञा का व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग हुआ हो।

2. संज्ञा के जिस रुप में एक से अधिक वस्तुओं का बोध हो उसे बहुवचन कहते हैं।

जैसे –

1. **सड़कों** पर लोग चल रहे हैं।

2. **विद्यार्थियों** को **पुस्तकें** दे दो।

3. **हम** लोग पाठशाला जाएँगे।

हिन्दी में कई संज्ञा ऐसी हैं जिनका प्रयोग एकवचन में भी होता है और बहुवचन में भी।

जैसे – बालक जा रहा है– बालक जा रहे हैं।

ऐसे ही दो अन्य संज्ञा शब्द ढूँढकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

3. नीचे दिए गए वाक्यों को बहुवचन में बदलिए

क. आम पका हुआ है।

ख. आदमी सुन रहा है।

ग. साधु ध्यानमग्न बैठा है।

4. पाठ में आए निम्न मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

फूट–फूटकर रोना, बाल की खाल निकालना, थैली गरम करना, आँखें खुलना।

5. निम्न शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए और उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

घर, आँख, हाथ, पुत्र, पैर।

6. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक–एक शब्द लिखिए –

जैसे – जो कभी नहीं मरता – अमर

क. जिसका पति मर गया हो –

ख. जिसका कोई नहीं हो –

ग. जो मरे हुए के समान हो –

घ. जिसका कोई सहारा न हो –

ङ. जिसकी तुलना न की जा सके –

7. आपने स्वर और व्यंजन पढ़े हैं। अ, आ, इ, ई, उ, ऊ,ऋ, ए, ऐ, ओ, औ ये ग्यारह स्वर हैं।

क, ख,ग .....आदि व्यंजन हैं।

8. इन शब्दों को पढ़िए –

अपना, उठा, आप, इस, ओर, एक, ऊपर, ओस।

इन शब्दों में आप देखेंगे/देखेंगी कि कहीं भी दो स्वर एक साथ नहीं आए हैं।

आए, आओ शब्द में दो स्वर वर्ण एक साथ आए हैं।

आप ऐसे चार शब्द सोचकर लिखिए जिनमें दो स्वर एक साथ आए हों।

9. इन शब्दों की रचना समझिए –

वहीं – वहाँ + ही

कहीं – कहाँ + ही

आप इसी प्रकार इन शब्दों की रचना लिखिए –

तभी, सभी, तुम्हीं, अभी, कभी।

10. निर्धन व्यक्ति के दैनिक जीवन पर दस वाक्य लिखिए।

योग्यता विस्तार–

1. जमींदारी प्रथा के बारे में अपने अध्यापक/अध्यापिका से पूछकर जानकारी प्राप्त कीजिए।

2. जमींदारी प्रथा, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विकास में बाधक थी। हमारे आस–पास इसी तरह की कई कुप्रथायें आज भी प्रचलित हैं, जो हमारे समाज के विकास में अवरोध उत्पन्न करती हैं। ऐसी किसी एक कुप्रथा के बारे में पता करके साथियों से चर्चा कीजिए।

3. ''एक टोकरी भर मिट्टी'' जैसी ही कोई कहानी शिक्षक की मदद से ढूँढकर पढ़िए।

●●●

सड़क चिह्न एवं सड़क संकेत

जेब्रा क्रासिंग (ZEBRA CROSSING)–चौंक–चौराहों पर पैदल यात्रियों के सुरक्षित रोड क्रासिंग हेतु बनी सफेद रंग की पट्टी होती है जिससे होकर पैदल यात्री सड़क के एक ओर से दूसरे छोर जाने के लिए उपयोग करता है। चौंक में जब सिग्नल रेड लाईट हो एवं सभी गाड़िया स्टॉप लाईन पर रूका हुआ हो तभी जेब्रा क्रासिंग का उपयोग करना चाहिए।

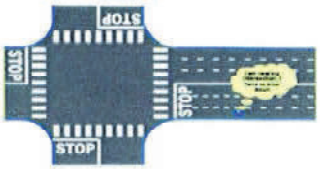

स्टॉप लाईन (STOP LINE)–जेब्रा क्रासिंग के पहले सफेद रंग की पट्टी/लाईन बनी होती है। चौंक पर जब रेड लाईट सिग्नल हो तब वाहन चालक को उसी स्टॉप लाईन के पहले रूकना होता है ताकि पैदल यात्री जेब्रा क्रासिंग से सुरक्षित सड़क पार कर सके।

ऐज मार्किंग (EDGE MARKING)–सड़क के किनारे पीले या सफेद रंग की पट्टी बनी होती है जिसका उद्देश्य सड़क किनारे वाहन पार्क नहीं करना ओर न ही रूकना होता है। यदि यही रेखा खंडित है तो वाहन रोक सकते हैं, किन्तु पार्किंग नहीं कर सकते।